धार्मिक तीर्थ स्थलों एवं मन्दिरों में पूजा अर्चन के साथ लोगों ने किया नव वर्ष का स्वागत

बड़वाह-
नवरत्नमल जैन

शनिवार की रात जहां लोगों ने विभिन्न स्थानों पर जश्न मनाकर 2022 को विदाई दी वहीं 2023 का भव्य स्वागत किया। रात को 12 बजते ही लोगों ने अनेक स्थानों पर सांस्कृतिक, धार्मिक आयोजन कर वर्ष 2023 का स्वागत किया वहीं रविवार को हजारों लोगों ने विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं मन्दिरों में जाकर भगवान के दर्शन कर नये वर्ष का शुभारंभ किया।

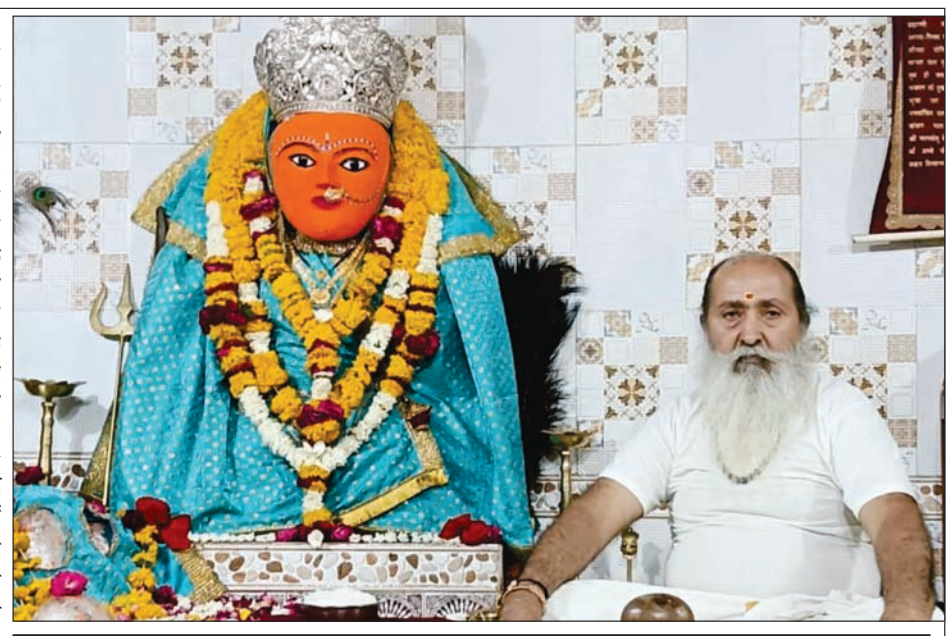

औकारेश्वर, महेश्वर, खेडीघाट आदि स्थानों पर भारी संख्या में जहां नववर्ष का स्वागत करने भारी संख्या में लोगों का हुजुम उमडा वहीं रविवार की सुबह नगर से 3 किलोमीटर दूर घने जंगल में पहाडों पर विराजमान जयंती माता के मन्दिर में पहूंच कर लोगों ने मॉ के आशीर्वाद, दर्शन, पूजन एवं अर्चन के साथ नये साल का शुभारंभ किया। अलसुबह से ही मन्दिर में दर्शनार्थियों का तांता लगने लगा था। आंदेश्वर महादेव मानस मंडल की टीम ने सुबह मंदिर में पहुंच कर दर्शन किए। इसके बाद परिसर में ही सुंदरकांड का पाठ पढ़ा गया। करीब दो घंटे तक मंडली के सदस्यों ने भजनों के साथ सुंदर कांड किया गया। अंत में आरती करके प्रसाद वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि विंध्याचल पर्वत श्रेणी पर स्थित अति प्राचीन जयंती माता मंदिर में तीन रुपों में देवी के दर्शन होते है। मान्यता है कि प्रातःकाल में माता अपने बाल अवस्था, दोपहर में तरुणाई की लालिमा तथा संध्याकाल शांत रूप में दर्शन देती है। प्राकृतिक सौंदर्य के बीच माता का मंदिर है। यहां पर चैत्र व शारदीय नवरात्रि में उत्सव का माहौल होता है। नवरात्रि में महाआरती, प्रसादी वितरण के साथ विशेष विद्युत सज्जा भी की जाती है। इस मंदिर में दर्शन व मन्नत के लिए क्षेत्र सहित इंदौर, उज्जैन, धार ,महाराष्ट्र, कलकत्ता आदि प्रांतों से श्रद्धालु आते हैं।

50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए ओकारेश्वर दर्शन

सनावद। तीर्थ नगरी ओकारेश्वर में नववर्ष के आगमन और विदाई के पूर्व 1 सप्ताह तक करीब 4 लाख श्रद्धालुओं ने मंदिर में आकर दर्शन किए। वहीं नव वर्ष के प्रथम दिवस भी करीब 50 हजार से अधिक श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंचे थे। मंदिर के ट्रस्टी राव जंग बहादुर सिंह ने बताया कि मंदिर ट्रस्ट द्वारा बेरीगेट लगाकर दोनों ओर से श्रद्धालुओं का आवागमन कर दर्शन की व्यवस्था की गई थी। कभी-कभी अव्यवस्था भी भारी भीड़ के कारण निर्मित हुई। लेकिन उसके बाद भी मंदिर ट्रस्ट द्वारा तत्काल व्यवस्थाओं को सुधार कर श्रद्धालुओं को दर्शन करवाए गए। 1 सप्ताह तक वीआईपी दर्शन बंद होने से मंदिर ट्रस्ट को आर्थिक नुकसान हुआ। लेकिन उसके बाद भी श्रद्धालुओं को दर्शन को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्था की गई थी। पिछले रविवार से इस रविवार तक श्रदालुओ का आंकडा करीब 4 लाख के करीब हो गया था।

जिदंगी की हर चुनौती का सामना करने एवं अद्भुत नेतृत्व क्षमता में माहिर है श्री नीलेश रोकड़िया-टामूसेठ

बड़वाह -नवरत्न मल जैन

विगत दिनों बड़वाह के सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री सुगनचंद जी रोकड़िया के स्वर्गवास के बाद पूरे बड़वाह विधानसभा क्षेत्र एक ही चर्चा है कि पिछले कुछ वर्षो से बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में तेजी से लोगों के दिलों में स्थान बनाकर लोकप्रियता के शिखर पर पहूचे उनके सुपुत्र श्री नीलेश रोकडिया की आगामी भूमिका कैसी होगी ? क्या अब वे केवल कुशल व्यापारी या उद्योगपति बनकर रहजायेगें या फिर राजनैतिक, सामाजिक , धार्मिक गतिविधियों में पूर्ववत सक्रीय रहेगें।

इसमें दोराय नही कि श्री सुगनचंद जी रोकड़िया के स्वर्गवास के बाद अब श्री नीलेश रोकड़िया पर अपने विशाल व्यापारिक साम्राज्य एवं परिवार की बडी जिम्मेदारी आचुकी है जिसे उन्हे हर हालत में पिताश्री के सदृश कुशलता से सम्हालना होगा। उसके लिये उन्हे अब ज्यादातर समय देना होगा।

लेकिन जहां तक उन्हे नजदीकी से जानने एवं समझने वाले लोगो का सवाल है तो उनका यह मानना है कि श्री नीलेश रोकड़िया में हर चुनौती को डटकर मुकाबला करने की क्षमता है। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी है। राजनीति के क्षेत्र उनकी सक्रीयता अब किस सीमा तक वे रखेगें यह उन पर तथा पारिवारिक परिस्थितियों एवं अनुकूलता पर निर्भर करता है लेकिन क्षेत्र की जनता एवं उनके दिलों पर उनकी मजबूत पकड़ अब भी पूर्ववत कायम रहेगी। उनमें वो अद्भुत नेतृत्व क्षमता है कि वे अपनी चाणक्य नीति से अभी भी राजनीति के समीकरणों को पार्टी के पक्ष में बदलने की ताकत रखते है। इसलिये वे अभी भी बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में सदैव प्रासंगिक रहेगें।

पिता श्री की स्मृत्ति में 51 लाख रूपये के दान ने दिखाई भविष्य की राह

श्री नीलेश रोकड़िया द्वारा अपने पिता श्री की स्मृत्ति में जिस तरह अनेक धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं को ५१ लाख की रिकार्ड राशी सहयोग स्वरूप प्रदान करने की घोषणा की उससे यह साबित होगया कि वे भी अपने पिता की तरह दृढ संकल्पी व्यक्ति है। सामाजिक, धार्मिक एवं पीड़ित मानवता एवं लोगों के सुख दु:ख में वे अब और भी अधिक सक्रीय रहेगें। जिस तरह उनके पिता श्री ने हमेशा बड़वाह के विकास के लिये आवाज उठाई वे भी अब उससे पीछे नही हटने वाले है। उनका कहना है कि बड़वाह मेरी जन्म भूमि है उसके लिये जो भी मुझ से बन पायेगा मै करूंगा।

संकट के दिनों में लोगों के अथाह प्यार ने टामू सेठ को और मजबूत बना दिया

एक ओर खुद का अस्वस्थ होना दूसरी ओर पिता श्री का अचानक हमेशा हमेशा के लिये बिछुड़ जाना, बडे से बडे सहासी व्यक्ति के लिये भी असहनीय होता है। लेकिन जिस तरह इस सकंट की घडी में बड़वाह ही नही अपितु पूरे विधानसभा क्षेत्र के सर्ववर्ग, सर्व समाज , किसान भाईयों तथा असख्ंय लोगों का प्यार, संबल एवं साथ नजर आया उसने टामू सेठ को और भी मजबूत बना दिया। यही कारण है कि उन्होने सार्वजनिक रूप से आव्हान किया कि अब मुझे पापा की तरह ही नही उनसे एक कदम आगे बढ़कर दिखाना है। ऐसे में विश्वास है कि वे बड़वाह शहर ही नही बल्कि पूरे क्षेत्र के लोगों के सुख दु:ख एवं हर समाजिक , धार्मिक कार्यो के साथ ही हर मोड़ पर उनका साथ देने में वे पीछे नही हटने वाले।

समय एवं परिस्थितियों के अनुसार निर्णय करने का अधिकार उनका है

अब देखना यह है कि वे इन चुनौतियों के बीच अपने सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक दायित्वों का निर्वाह किस तरह और किस सीमा तक करते है। यह अधिकार भी उनका है और निर्णय भी उनका ही होगा लेकिन यह तय है कि उन्हे खामोश समझने वालों को निराशा हाथ लगेगी। वे मुखर है और मुखर रहेगें। अपने गांव , समाज एवं क्षेत्र के विकास के लिये वे अग्रणी बने रहेगें ऐसा विश्वास विश्वास पूरे बड़वाह वासियों को जरूर है।

क्या कहते है खुद टामूसेठ-

आजाद हिन्दुस्तान के प्रतिनिधि ने जब बदली हुई परिस्थितियों के बीच भविष्य की कार्यशैली के बारे में बात चीत की तो उन्होने कहा कि कि यह सही है कि पापा के अचानक चले जाने से जिम्मेदारियां बढी है लेकिन पापा ने मुझे यह भी सिखाया है कि परिस्थियां कितनी भी विपरीत हो कभी भी अपने लक्ष्य से भटकना नही है। उसी अनुरूप में समय काल परिस्थिति के अनुसार मै जिन भी सामाजिक एवं राजनैतिक गतिविधियों में रहा उनमे तो पूर्ववत सक्रीय रहूंगा ही साथ ही पापा के पद चिन्हो पर चलकर अब धार्मिक क्षेत्र, व्यपारिक एवं पारिवारिक जिम्मेवारियों को भी पूरी जवाबदारी के साथ शतप्रतिशत तन्मयता के साथ निभाउंगा।

सचिन की तरह राजनीति में धुंआधार बल्लेबाजी कर कप्तान बनने की दौड़ में लगे है तिलोक राठोड़

कमलनाथ जी के सर्वे मे अव्वल आने की रणनीति पर कर रहे है काम

बड़वाह –बड़वाह विधानसभा क्षेत्र की राजनैतिक पिच पर इन दिनों यदि किसी बल्लेबाज का नाम अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से लोकप्रिय हाता जारहा है तो वो है नये नवेले कांग्रेस नेता श्री तिलोक राठोड़। बरसों से राजनीति में पापड बेल रहे धुरंधरों को उनकी ही पिच पर आकर जिस तरह तिलोक राठोड़ ने अपनी सक्रीय रणनीति से स्वीकार्यता बढाई है वो सबके लिये हैरान कर देने वाली है। बिना किसी राजनैतिक गोड फादर के वर्तमान में कोई भी सामाजिक कार्यक्रम हो या धार्मिक आयोजन, खेल टूर्नामेंट हो या सुख दु: ख का प्रसंग श्री राठोड़ हर जगह अग्रणी नजर आरहे है। जिससे कांग्रेस के साथ ही अन्य वर्गो में भी उनकी लोकप्रियता तेजी से बढती जारही है।

टिकिट की दोड़ में आगे है या पीछे नही करते परवाह -

सबसे बडे आश्चर्य की बात तो यह है कि राजनीति में पहले से ही मोजूद धुरंधर नेताओ के होते हुये उन्हे टिकिट की दोड़ में पीछे माना जाने के बावजूद वे निराश होने के बजाय वे और अधिक तेजी से अपनी सक्रीयता बढ़ाते जारहे है। लोग अब उनकी तुलना सचिन बिरला के उस प्रारंभिक कार्यकाल से करने लगें है जब उन्होने गांव- गांव जाकर युवाओं , किसानों , विभिन्न समाज जनों को अपने साथ जोड़ा था। उसी तर्ज पर श्री तिलोक राठोड़ लगातार पूरे विधानसभा क्षेत्र के गांव –गांव में जाकर लगातार अपनी टीम बना रहे है।

अभी हाल ही में सिरलाय मे १ लाख से अधिक की ईनामी राशी वाले राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट , मुस्लिम समाज के सामूहिक विवाह आयोजन में स्थापित जन प्रतिनिधियों को पीछे छोड़ते हुये अपनी भागीदारी दिखाना, भागवत कथा, कव्वाली आयोजन, मन्दिरों की प्रतिष्ठा, विभिन्न समाजों के सामाजिक आयोजनों में दिल खोलकर अग्रणी रहने के साथ ही स्वयं उपस्थित रहकर लोगों को अपना बनाने की कला से राठोड़ अपना विशिष्ट स्थान बनाने में कामयाब हुये है।

विरोधियों को अपना बनाने की कला में माहिर है राठोड़

राजनीति में जहां देखा जाता है कि लोग अपने प्रतिष्पर्धियों को मात देखकर आगे बढते हुये नजर आते है लेकिन श्री तिलोक राठोड का यह कहना है कि मै टिकिट की दोड़ में जरूर हूं लेकिन यदि पार्टी ने मुझे टिकिट नही भी दिया तो उस व्यक्ति का तन मन धन से पूरा साथ दूंगा जिसे पार्टी टिकिट देगी। श्री राठोड़ की इस वक्तव्य कला के बाद उनके विरोधी भी उनका सीधा विरोध करने में अपने आपको पीछे महसूस करते है।

टिकिट के सभी दावेदारों से मधुर सम्बंध बनाकर रखे है श्री राठोड़ ने

श्री राठोड़ का कहना है कि मै किसी भी गुटबाजी में फसने बजाय कांग्रेस के सभी नेताओं का सम्मान करता हूं। मेरा लक्ष्य लोगों को कांग्रेस से जोड़ना है और मै वहीं कर रहा हूं। श्री तिलोक राठोड़ ने अपनी व्यवहार कुशलता से पार्टी में सभी टिकिट के दावेदारों को अपना बनाकर रखा हुआ है। उन्होने हर किसी को यही विश्वास दिलाकर रखा है कि आपको टिकिट मिले तो आपके साथ हूं और मुझे टिकिट मिले तो आप मेरा साथ देना। अब आखिर इस बात से कोन नाराज होगा।

धुरधरों के बीच कहां टिके है श्री तिलाक राठोड़

टिकिट मिलना या नही मिलना भाग्य की बात है। वर्तमान समय में कांग्रेस के सबसे पुराने खिलाडी श्री नरेन्द्र पटेल को टिकिट की दोड़ मे सबसे आगे माना जारहा है उसके साथ ही श्री अशोक जैन बागोद, नीलेश रोकड़िया, सोभाग पटेल, सोहन शाह , इन्दर बिरला आदि के नाम प्रमुखता से लिये जारहे है लेकिन कमलनाथ जी के सर्वे में किसका नाम जनता की अदालत से जायेगा वो सबसे महत्वपूर्ण है और श्री राठोड़ की सक्रीयता का लक्ष्य शायद लोगों की जुबान पर सर्वे में श्री तिलोक राठोड़ का नाम अग्रणी बनाकर रखना होगा। अब देखना यह है कि राठोड़ अपनी दोड़ में कहा तक पहूंच पाते है। लेकिन यह बात तो तय है कि उन्होने बहुत अल्प समय में अपनी लोकप्रियता को क्षेत्र में कायम जरूर कर दिया।

आज भाजपा के नेता एवं कार्यकर्ता भी उनकी तुलना सचिन बिरला की कार्य शैली से करने लगे है। अब आगे देखना होगा कि क्या वे सचिन की तरह ही बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में अपना वजूद स्थायी रूप से बना पाते है या नही।

उनकी कार्यप्रणाली से यह तो साफ होगया कि वे किसी जल्दबाजी में नही बलिक लमबा समय लेकर बड़वाह में उसी तरह आये है जिस तरह महेश्वर भाजपा में राजकुमार मेव तथा बड़वाह में सचिन बिरला आये थे। अिकिट नही भी मिला तो वे अगली पारी के प्रमुख दावेदारों में शुमार होने को भी अपनी कामयाबी मान सकते है।

हड्डी टूटने पर प्लास्टर चढ़ाने के लिए अब प्रायवेट क्लिनिक नही जाना पडेगा

बडवाह ---हड्डी टूटने पर प्लास्टर चढाने के लिए अब लोगो को प्रायवेट क्लिनिक नही जाना पडेगा,क्योकि बड़वाह के शासकीय अस्पताल में प्लास्टर चढाने के लिए सामग्री पहुंच चुकी है। सोमवार को हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश ठाकुर ने घायल दो मरीजो के पैरो पर प्लास्टर चढाया। आपको बता दे कि शासकीय अस्पताल में प्लास्टर नही चढाने पर हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश ठाकुर पर कई तरह के आरोप लगाए जा रहे थे,लेकिन उनका कहना है कि असिस्टेंट एवं सामग्री के अभाव में प्लास्टर नही चढाए जा रहे थे।

पिछले दिनों सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल एवं विधायक सचिन बिरला के निर्देश पर जैसे ही जिले से सामग्री उपलब्ध हुई थी। हमारे द्वारा अस्पताल मे प्लास्टर चढाना शुरू कर दिया था। अब तक 30-35 प्लास्टर चढाए गए है,उसके बाद सामग्री खत्म होने के कारण प्लास्टर नही चढाए जा रहे थे।

सामग्री के लिए अस्पताल के इंचार्ज द्वारा जिले में सुचना भेजी गई थी लेकिन समय पर सामग्री नही पहुंची थी। अब सामग्री प्राप्त होते ही सोमवार से मरीजो को फिर से प्लास्टर चढाना शुरू कर दिया गया है। खास बात तो यह है कि अस्पताल में प्लास्टर के लिए सामग्री समय पर नही पहुंच रही है,बताया जा रहा है कि अभी भी बहुत कम सामग्री प्राप्त हुई है,यदि प्रतिदिन दो मरीजो को प्लास्टर चढाया गया तो एक सप्ताह में ही सामग्री खत्म हो सकती है।

उल्लेखनीय है 19 दिसम्बर को मुरल्ला निवासी विष्णु कनाडे द्वारा विधायक सचिन बिरला को मोबाईल पर शिकायत की गई थी। विधायक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तुरंत ही अपने प्रतिनिधि के को अस्पताल भेजा था। जहा विष्णु ने बताया था कि डॉक्टर दिनेश ठाकुर द्वारा अस्पताल में प्लास्टर नही चढाने हुए स्वयं के क्लिनिक पर प्लास्टर चढाकर पैसे लिए जा रहे है। इस बारे में जब सीबीएमओ डॉक्टर राजेन्द्र मिमरोठ एवं अस्पताल इंचार्ज डॉ.यशवंत इंगले से चर्चा की थी तो उन्होंने भी सामग्री उपलब्ध होना नही बताया गया था

आपको बता दे कि खरगोन जिले में केवल खरगोन के बाद बडवाह के शासकीय अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ होने के कारण यहा पर ही मरीजो को प्लास्टर चढाए जा रहे है। लेकिन सामग्री एवं असिस्टेंट के अभाव में डॉक्टर को परेशान होना पड रहा है। बताया जाता है कि जिले से सामग्री समय पर नही पहुंचती है। जिम्मेदारो के द्वारा लिखित-मोखिक सुचना भेजने के एक माह बाद अब सामग्री प्राप्त हुई है।

जैन समाज द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

बडवाह---श्वेतांबर व दिगंबर सकल जैन समाज की ओर से डाक बंगला रोड स्थित मांगलिक भवन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें समाज के करीब 140 से अधिक इन लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवा कर अपनी जांच करवाई।जैन श्वेतांबर महिला मंडल व महावीर बहू मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में सनावद के चिकित्सक डॉ सुरेश रांका के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।शिविर के दौरान चिकित्सक ने सामान्य परीक्षण के अलावा कोलेस्ट्रोल लिपिड प्रोफाइल ब्लड शुगर व ईसीजी आदि की जांच भी करवाई।जिसकी रिपोर्ट 5 जनवरी को मांगलिक भवन में ही दोपहर दो बजे वितरित की जाएगी।आयोजक महिला मंडल की सदस्यों ने बताया की वर्तमान परिवेश में अनियमित खान पान रहन सहन से व स्वास्थ्य के प्रति सजगता ना होने से भौतिक कार्य क्षमताओं की कमी के चलते हार्ट अटैक व साइलेंट हार्ट अटैक बहुत अधिक मात्रा में हो रहे हैं।इसी को ध्यान में रखते हुए यह शिविर आयोजित किया गया था। इस दौरान श्वेतांबर महिला मंडल अध्यक्ष छाया सुराणा सचिव रेखा भंडारी महावीर बहू मंडल बड़वाह अध्यक्ष दीप्ति पगारिया सचिव दीप्ति छाजेड़ सहित समाज के महिला पुरुष मौजूद रहे।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं मुद्रक- नवरत्नमल जैन, 5 बी/3 प्रेस कॉम्पलेक्स इंदौर एवं 2/12 एनेक्स श्री कंवर कालोनी बड़वाह से प्रकाशित एवं कॉम्पेक प्रिंटर्स लि. फ्री प्रेस हाऊस 3/54 प्रेस कॉम्पलेक्स इंदौर से मुद्रित। प्रधान संपादक -नवरत्नमल जैन - फोन-(07280)224750, मो. 9407133337